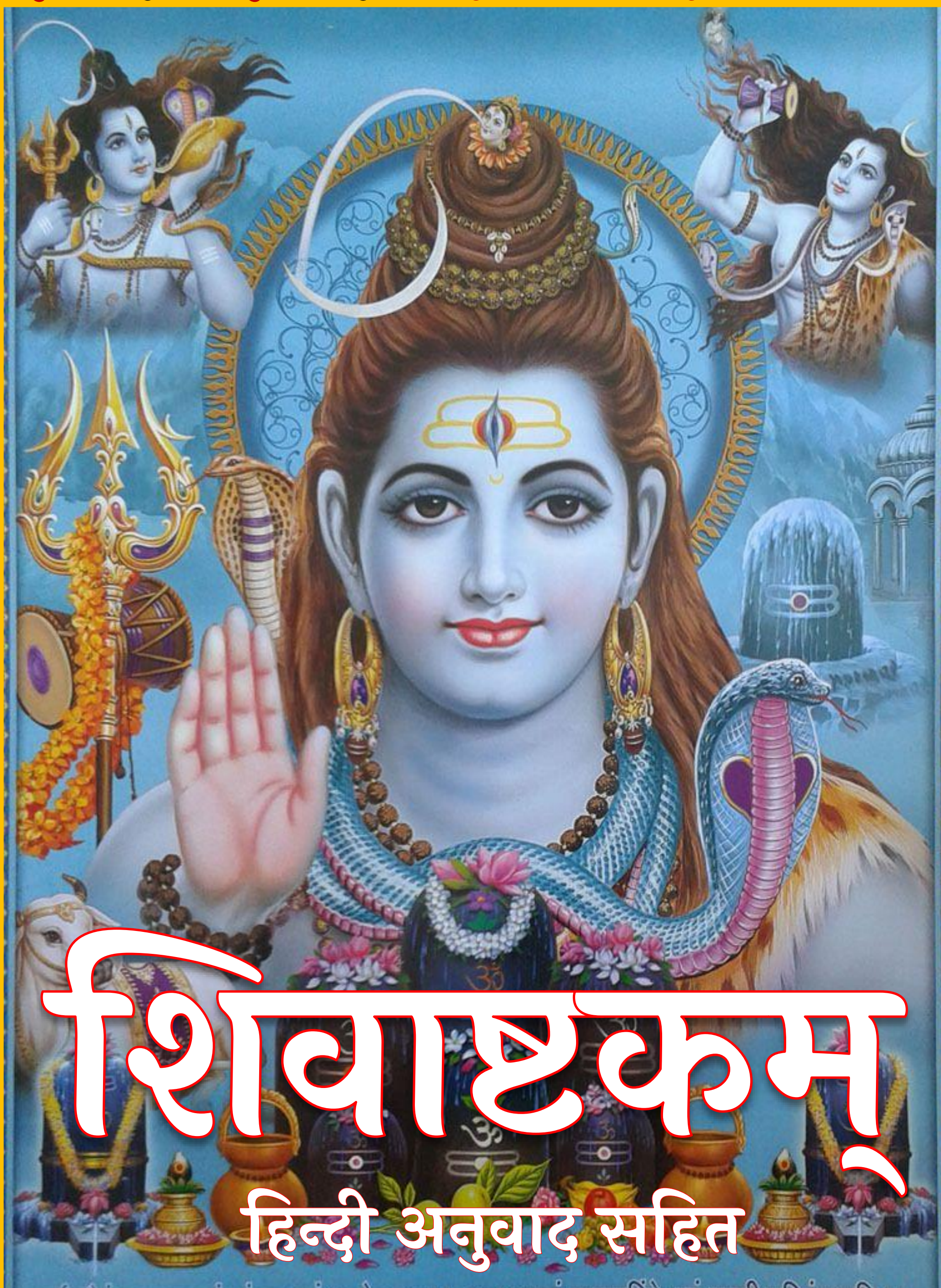

शिवाष्टकम्
हिन्दी अनुवाद सहित

अथ श्री शिवाष्टकम्

प्रभुं प्राणनाथं विभुं विश्वनाथं जगन्नाथनाथं सदानन्दभाजम् ।
भवद्भव्यभूतेश्वरं भूतनाथं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ १ ॥

गले रुण्डमालं तनौ सर्पजालं महाकालकालं गणेशाधिपालम् ।
जटाजूटगङ्गोत्तरङ्गैर्विशालं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ २ ॥

मुदामाकरं मण्डनं मण्डयन्तं महामण्डलं भस्मभूषाधरं तम् ।
अनादिह्यपारं महामोहहारं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ३ ॥

वटाधोनिवासं महाट्टाट्टहासं महापापनाशं सदासुप्रकाशम् ।
गिरीशं गणेशं महेशं सुरेशं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ४ ॥

गिरिन्द्रात्मजासंग्रहीतार्धदेहं गिरौ संस्थितं सर्वदा सन्नगेहम् ।
परब्रह्मब्रह्मादिभिर्वन्ध्यमानं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ५ ॥

कपालं त्रिशूलं कराभ्यां दधानं पदाम्भोजनम्राय कामं ददानम् ।
बलीवर्दयानं सुराणां प्रधानं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ६॥

शरच्चन्द्रगात्रं गुणानन्द पात्रं त्रिनेत्रं पवित्रं धनेशस्य मित्रम् ।
अपर्णाकलत्रं चरित्रं विचित्रं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ७॥

हरं सर्पहारं चिता भूविहारं भवं वेदसारं सदा निर्विकारम् ।
श्मशाने वसन्तं मनोजं दहन्तं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ८॥

स्तवं यः प्रभाते नरः शूलपाणे पठेत् सर्वदा भर्गभावानुरक्तः ।
स पुत्रं धनं धान्यमित्रं कलत्रं विचित्रं समासाद्य मोक्षं प्रयाति ॥ ९॥

॥ इति शिवाष्टकम् ॥

शिवाष्टकम् हिन्दी अनुवाद सहित

प्रभुं प्राणनाथं विभुं विश्वनाथं जगन्नाथनाथं सदानन्दभाजम् ।
भवद्भव्यभूतेश्वरं भूतनाथं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ १॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, शिव, शंकर, शंभु, जो भगवान हैं, जो हमारे जीवन के भगवान हैं, जो विभु हैं, जो दुनिया के भगवान हैं, जो विष्णु (जगन्नाथ) के भगवान हैं, जो हमेशा निवास करते हैं खुशी में, जो हर चीज को प्रकाश या चमक देता है, जो जीवित प्राणियों का भगवान है, जो भूतों का भगवान है, और जो सभी का भगवान है।

गले रुण्डमालं तनौ सर्पजालं महाकालकालं गणेशाधिपालम् ।
जटाजूटगङ्गोत्तरङ्गैर्विशालं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ २॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, शिव, शंकराचार्य, शम्भु, जिनके गले में मुंडों की माला है, जिनके शरीर के चारों ओर साँपों का जाल है, जो अपार-विनाशक काल का नाश करने वाले हैं, जो गण के स्वामी हैं, जिनके जटाओं में साक्षात गंगा जी का वास है , और जो हर किसी के भगवान हैं।

मुदामाकरं मण्डनं मण्डयन्तं महामण्डलं भस्मभूषाधरं तम् ।
अनादिह्यपारं महामोहहारं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ३॥

हिंदी अर्थ: मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ, शिव, शंकर, शंभु, जो दुनिया में खुशियाँ बिखेरते हैं,जिनकी ब्रह्मांड परिक्रमा कर रहे हैं, जो स्वयं विशाल ब्रह्मांड है, जो राख के श्रंगार का अधिकारी है, जो शुरुआत के बिना है, जो एक उपाय, जो सबसे बड़ी संलग्नक को हटा देता है, और जो सभी का भगवान है।

वटाधोनिवासं महाट्टाट्टहासं महापापनाशं सदासुप्रकाशम् ।
गिरीशं गणेशं महेशं सुरेशं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ४॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, शिव, शंकर, शंभु, जो एक वात (बरगद) के पेड़ के नीचे रहते हैं, जिनके पास एक अपार हँसी है, जो सबसे बड़े पापों का नाश करते हैं, जो सदैव देदीप्यमान रहते हैं, जो हिमालय के भगवान हैं, जो विभिन्न गण और आसुरी के भगवान है ।

गिरिन्द्रात्मजासंग्रहीतार्धदेहं गिरौ संस्थितं सर्वदा सन्नगेहम् ।
परब्रह्मब्रह्मादिभिर्वन्ध्यमानं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ५॥

हिंदी अर्थ: मैं ,हिमालय की बेटी के साथ अपने शरीर का आधा हिस्सा साझा करने वाले शिव, शंकरा, शंभू से प्रार्थना करता हूं, जो एक पर्वत (कैलासा) में स्थित है, जो हमेशा उदास लोगों के लिए एक सहारा है, जो अतिमानव है, जो पूजनीय है (या जो श्रद्धा के योग्य हैं) जो ब्रह्मा और अन्य सभी के प्रभु हैं।

कपालं त्रिशूलं कराभ्यां दधानं पदाम्भोजनम्राय कामं ददानम् ।
बलीवर्दयानं सुराणां प्रधानं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ६॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे शिव, शंकरा, शंभु, जो हाथों में एक कपाल और त्रिशूल धारण करते हैं , प्रार्थना करता हूं, जो अपने कमल-पैर के लिए विनम्र हैं, जो वाहन के रूप में एक बैल का उपयोग करते है, जो सर्वोच्च और ऊपर है। विभिन्न देवी-देवता, और सभी के भगवान हैं।

शरच्चन्द्रगात्रं गुणानन्द पात्रं त्रिनेत्रं पवित्रं धनेशस्य मित्रम् ।
अपर्णाकलत्रं चरित्रं विचित्रं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ७ ॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, शिव, शंकर, शंभु, जिनके पास एक चेहरा है जैसे कि शीतकालीन-चंद्रमा, जो सभी गणो की खुशी का विषय है, जिनकी तीन आंखें हैं, जो हमेशा शुद्ध है, जो कुबेर के मित्र है (धन का नियंत्रक) , जिनकी अपर्णा (पार्वती) पत्नी है, जिनकी शाश्वत विशेषताएँ हैं, और जो सभी के भगवान है।

हरं सर्पहारं चिता भूविहारं भवं वेदसारं सदा निर्विकारम् ।
श्मशाने वसन्तं मनोजं दहन्तं शिवं शङ्करं शम्भुमीशानमीडे ॥ ८ ॥

हिंदी अर्थ: मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, शिव, शंकर, शंभु, जिन्हें हारा के नाम से जाना जाता है, जिनके पास सांपों की एक माला है, जो श्मशान के चारों ओर घूमते हैं, जो ब्रह्मांड है, जो वेद का सारांश है , जो सदैव तिरस्कृत रहते है, जो श्मशान में रह रहे है, जो मन में पैदा हुई इच्छाओं को जला रहइ है, और जो सभी के भगवान है।

स्तवं यः प्रभाते नरः शूलपाणे पठेत् सर्वदा भर्गभावानुरक्तः ।
स पुत्रं धनं धान्यमित्रं कलत्रं विचित्रं समासाद्य मोक्षं प्रयाति ॥ ९॥

हिंदी अर्थ: जो लोग हर सुबह त्रिशूल धारण किए शिव की भक्ति के साथ इस प्रार्थना का जप करते हैं, एक कर्तव्यपरायण पुत्र, धन, मित्र, जीवनसाथी और एक फलदायी जीवन पूरा करने के बाद मोक्ष को प्राप्त करते हैं। शिव शंभो गौरी शंकर आप सभी को उनके प्रेम का आशीर्वाद दें और उनकी देखरेख में आपकी रक्षा करें।

॥ इति सम्पूर्ण शिवाष्टकम् ॥

शिवाअष्टकम पाठ विधि

- शिवाष्टक का पाठ करने से पूर्व भगवान शिव का गाय के दूध और गंगाजल से अभिषेक करें।
- फिर उनको शहद, दही, सफेद चंदन, सफेद फूल, खीर, मौसमी फल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी पत्र, अक्षत्, धूप, दीप आदि अर्पित करें।
- विधिपूर्वक पूजन के बाद पूरे मनोयोग से शिवाष्टक का पाठ करें।